RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 09 दिसंबर 2024 वर्ष 06 अंक 237 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

महाविकास अघाड़ी ज्यादा दिन नहीं चलेगी: अबू आजमी

Page - 4

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

खड़ी टैंकर के नीचे सो रहे व्यक्ति को ड्राइवर ने कुचला... मौत!

मुंबईः साकीनाका में हुए हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, वह पार्क किए गए पानी के टैंकर के नीचे सो रहा था, तभी ड्राइवर ने गाड़ी स्टार्ट कर दी और उसे कुचल दिया। पुलिस ने ड्राइवर कन्हैयालाल यादव (43) के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज किया है। यह घटना अंधेरी-घाटकोपर लिंक रोड पर एक सीएनजी पेट्रोल पंप के पास हुई। मृतक की पहचान घाटकोपर निवासी अतुल कांबले के रूप में हुई है, जहां वह अपने भाई मिलिंद के साथ रहता था। पोस्टमार्टम के बाद कांबले का शव मिलिंद को सौंप दिया गया।

ईवीएम का रोना करें बंद!

जनादेश को मान लें...

एमवीए पर भड़के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद से विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी ईवीएम पर सवाल उठा रहा है. कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी और शरद पवार की पार्टी के नेता ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगा रहे हैं. इन आरोप के बीच प्रदेश के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंद ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा है कि अब एमवीए को चाहिए कि जनादेश को स्वीकार करे और ईवीएम पर सवाल उठाना बंद कर दे. मुंबई में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, ''विपक्ष को महाराष्ट्र की जनता द्वारा दिए गए स्पष्ट बहुमत का स्वागत करना चाहिए. हमारी महायुति सरकार ने 2.5 साल में इतना काम किया है, इतनी योजनाएं लागू की हैं, जिसका नतीजा यह है. विपक्ष को अब ईवीएम का रोना धोना बंद कर देना चाहिए.

'जहां जीतते हैं वहां नहीं उठाते सवाल'

उन्होंने ये भी कहा, ''हाल ही में झारखंड में चुनाव वायनाड में उपचुनाव हुआ, जहां कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की जीत हुई. जहां विपक्ष जीतता है, ईवीएम अच्छी होती है और जहां विपक्ष की हार होती है वहां ये सवाल उठाते हैं. यह पिछले कई सालों से चल रहा है. आंकड़े बताते हुए डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा, ''लोकसभा में महायुति को 43.55% वोट मिले और महा विकास अघाड़ी को 43.71% वोट मिले, बस कुछ अंकों का अंतर है, लेकिन हमें 17 सीटें मिलीं और उन्हें 31 सीटें मिलीं. फिर उन्होंने ईवीएम घोटाले का मुद्दा नहीं उठाया?

'65 सालों में ऐसा कभी नहीं हुआ जो...',

अनिल देशमुख ने महाराष्ट्र के नतीजों पर उठाए सवाल?

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र चुनाव के नतीजे महाविकास अघाड़ी स्वीकार करने को तैयार नहीं है. यहां तक कि विधानसभा सत्र के पहले दिन विपक्षी गुट के विधायकों ने शपथ लेने से ही इनकार कर दिया और अगले दिन शपथ ली. इस बीच, शरद पवार गुट के नेता और पूर्व मंत्री अनिल देशमुख ने कहा कि 60-65 साल से चुनाव हो रहे हैं और कभी ऐसे नतीजे नहीं आए कि विपक्ष पूरा साफ हो गया.

अनिल देशमुख ने कहा, ''हरियाणा के चुनाव के बाद और खासकर महाराष्ट्र के चुनाव के बाद जो नतीजे आए. उसको देखकर हर कोई हैरान है. पूरा देश चर्चा कर रहा है कि इस तरह के नतीजे कैसे आए? 60-65 साल से चुनाव हो रहे हैं और इस तरह के नतीजे नहीं आए कि विरोधी पार्टी पूरी साफ हो गई हो. इसमें काफी लोगों को शंका है कि ईवीएम की छेड़छाड़ हुई है.'' पूर्व मंत्री अनिल देशमुख ने कहा, '' शंका नहीं बल्कि जानकार लोग हैं जिन्होंने अपना स्टेटमेंट दिया है कि ईवीएम में 100 प्रतिशत छेड़छाड़ हो सकती है. ईवीएम के द्वारा रिजल्ट बदले जा सकते हैं. टेक्निकल लोगों ने भी अपना बयान दिया. सब लोगों को शंका है कि महाराष्ट्र के चुनाव बीजेपी की सरकार ने ईवीएम में छेड़छाड़ कर नतीजे लाए हैं..''

ठाणेः महिला पर व्यक्ति को आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज

ठाणेः महाराष्ट्र के ठाणे से मिली एक खबर के मुताबीक यहां एक 24 वर्षीय व्यक्ति को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में एक महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस बाबत पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक के पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने सितंबर में हुई उनके बेटे की मौत के संबंध में भारतीय न्याय संहिता की धारा108 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया है।

मामले पर पुलिस ने यह भी बताया कि, पीड़ित कुणाल कृष्ण वर्ता ने बीते 12 सितंबर को भिवंडी शहर में अपने घर में फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि महिला शादीशुदा है और उसने सोशल मीडिया पर उनके बेटे से दोस्ती की और उससे नजदीकियां बढ़ाईं। अधिकारी ने कहा कि महिला के प्यार के झूठे वादे के कारण ही उसने आत्महत्या की। अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और इस संबंध में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

जानकारी दें कि, बीते 7 दिसंबर को ही पंजाब के 45 वर्षीय भजन गायक पर ठाणे के पास नवी मुंबई में हमला किया गया था, जिसके बाद 10 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने इस बाबत जानकारी दी थी कि, पंजाब के गुरदासपुर के निवासी लकविंदर सुरजीत सिंह पर शुक्रवार शाम को वाशी में पनवेल-सायन रोड पर हमला किया गया, जब वह जुईनगर से मुंबई हवाई अड्डा जा रहे थे। बताया गया कि आरोपियों ने लकविंदर सिंह को पिस्तौल व रिवॉल्वर दिखाकर धमकाया और फिर उन्हें तथा उनके एक साथी को घटनास्थल पर छोड़कर भाग गए थे। लखविंदर सिंह फिलहाल अस्पताल में भर्ती हैं। आरोपियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

महायुति का महाराष्ट्र पर कब्जा...

क्या मुंबई भी उद्धव ठाकरे के हाथ से निकलेगी?

मुंबईः महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में बीजेपी के अगुवाई वाले महायुति की महाजीत ने एमवीए को हाशिए पर धकेल दिया है। विधानसभा में एमवीए की स्थिति ऐसी है कि उसे नेता विपक्ष के पद के लिए स्पीकर से गुहार लगानी पड़ेगी। ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है क्या फडणवीस ने जिस तरह से वापसी की है, उसी ढंग से उद्धव ठाकरे वापसी करते हुए क्या मुंबई का गढ़ बचा पाएंगे?

महाराष्ट्र में नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद अब मंत्रिमंडल विस्तार का इंतजार है लेकिन इस बीच अब बीएमसी चुनावों की चर्चा भी शुरू हो गई है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि बीजेपी जल्द से जल्द बीएमसी चुनावों को करवा सकती है। राज्य में महानगर पालिकाओं, नगर परिषदों, नगर पंचायतों, जिला परिषदों और पंचायत समितियों के चुनाव लगभग 3 सालों से रुके हुए हैं।

कब हो सकते हैं मुंबई में चुनाव?

लंबे समय से बीएमसी चुनावों के रुके होने पर एक स्वयंसेवी संगठन ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। शनिवार को इस याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हर राज्य में चुनाव में देरी की वजहें और स्थितियां अलग-अलग हैं। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई ठोस कारण नहीं मिलता है, तो चुनाव कराने का आदेश दिया जा सकता है। ऐसे में बीएमसी चुनाव फरवरी में होने की संभावना बढ़ गई है। 64 हजार करोड़ के सालाना बजट वाली बीएमसी को अभी अफसर चला रहे हैं। 2017 में बीजेपी ने बीएमसी चुनाव अपने दम पर अलग लड़ा था। इससे पहले 2012 के चुनावों में शिवसेना को 75 सीटें मिली थीं। बीजेपी 31 सीटें जीत पाई थी। कांग्रेस को 52 और एनसीपी को 13 सीटें मिली थीं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने 28 और एआईएमआईएम ने 2 सीटें जीती थीं।

संपादकीय...

समय पर न्याय मिलने का इंतजार...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

पिछले दिनों संसद में कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन मेघवाल ने यह जानकारी दी कि देश भर में उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों के 1114 पदों में से 350 पद रिक्त हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के कुल पद 160 हैं। इनमें से 74 पद रिक्त हैं। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में जजों के कुल 85 पद हैं, जिनमें से 31 पद खाली पड़े हुए हैं। बॉम्बे हाई कोर्ट में जजों के कुल 94 पद हैं, जिनमें से 28 पद खाली हैं। इसी तरह दिल्ली हाई कोर्ट के 60 में से 21 खाली हैं। कलकत्ता हाई कोर्ट में 72 में से 27, पटना हाई कोर्ट में 53 में से 19, राजस्थान हाई कोर्ट में 50 में से 18, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में 53 में से 16 और तेलंगाना में 42 में से 14 पद खाली हैं। अन्य उच्च न्यायालयों में भी ऐसी ही स्थिति है। यह तब है, जब छह माह पहले रिक्त होने वाले पदों की सूचना देने का नियम है। लगता है कि इस पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जाता। एक समस्या यह भी देखने को मिलती है कि न्यायाधीशों के नामों का चयन होने और उन पर सरकार की स्वीकृति पाने में समय लगता है। कई बार न्यायाधीशों की नियुक्ति करने वाले कालेजियम की ओर से यह शिकायत भी सुनने को मिलती है कि सरकार समय पर न्यायाधीशों के नामों को हरी झंडी नहीं दिखाती।

यह ठीक नहीं कि उच्च न्यायालयों में बड़ी संख्या में न्यायाधीशों के पद रिक्त बने रहें। सरकार और कालेजियम के बीच कई बार जजों के नामों को लेकर इस कारण सहमति नहीं बन पाती, क्योंकि सरकार कुछ नामों को लेकर संतुष्ट नहीं होती। कालेजियम व्यवस्था पर समय-समय पर प्रश्न उठते रहते हैं, क्योंकि वर्तमान में इस व्यवस्था के तहत जज ही जजों की नियुक्ति करते हैं। मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद जजों की नियुक्ति के लिए एक नया कानून बनाया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट को वह रास नहीं आया और उसने उसे रद कर दिया। सुप्रीम कोर्ट कुछ भी कहे, यह ठीक नहीं कि जज ही जजों की नियुक्त करें। किसी भी प्रतिष्ठित लोकतांत्रिक देश में ऐसा नहीं होता। जितना आवश्यक यह है कि समय पर न्याय देने की व्यवस्था बने, उतना ही यह भी कि कालेजियम व्यवस्था में बदलाव हो। बदलाव इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि खुद सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि कालेजियम व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है। आखिर इस आवश्यकता की पूर्ति कब होगी?

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 8657861004
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

बॉम्बे हाई कोर्ट ने ईडी द्वारा वी होटल्स (पूर्व में ट्यूलिप हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज) की कई संपत्तियों की कुर्की को खारिज

मुंबई : मुंबई बॉम्बे हाई कोर्ट ने हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा वी होटल्स (पूर्व में ट्यूलिप हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज) की कई संपत्तियों की कुर्की को खारिज कर दिया, जिसमें जुहू बीच पर स्थित उसका होटल और मलाड वेस्ट और जेवीपीडी स्कीम में स्थित तीन इमारतों में 11 आवासीय फ्लैट शामिल हैं।

हाई कोर्ट ने जुहू बीच पर वी होटल की ईडी द्वारा की गई कुर्की को खारिज किया न्यायमूर्ति बीपी कोलाबावाला और न्यायमूर्ति सोमशेखर सुंदरसन की खंडपीठ ने पीएमएलए, निर्णायक प्राधिकरण द्वारा पुष्टि की गई कुर्की को खारिज कर दिया, क्योंकि वी होटल्स ने दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी), 2016 (आईबीसी) के प्रावधानों के तहत सफल कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) से गुजरा है, और मैक्रोटेक डेवलपर्स लिमिटेड ने कंपनी का अधिग्रहण कर लिया है।

पीठ ने कहा, ''एक बार जब आईबीसी की धारा 31 के तहत समाधान योजना को मंजूरी मिल जाती है

और समाधान योजना के तहत नियंत्रण और प्रबंधन में बदलाव प्रभावी हो जाता है, तो कॉर्पोरेट देनदार की संपत्ति को आगे की कार्यवाही से भी छूट मिल जाएगी।'' पीठ ने कहा कि धारा 32ए (2) में संलग्न स्पष्टीकरण से यह स्पष्ट हो जाता है। पीठ ने कहा, ''एक बार ऐसा होने पर, हम पाते हैं कि प्रवर्तन निदेशालय की कुर्की, चाहे अनंतिम रूप से हो या अन्यथा, धारा 32ए के मापदंडों को पूरा करने वाली समाधान योजना की मंजूरी के बाद एक दिन भी जारी नहीं रह सकती है।'' वी होटल्स ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जब ईडी ने इस साल अप्रैल में जुहू बीच स्थित उनके होटल, मलाड पश्चिम में सुंदर जमनोत्री इमारत में पांच फ्लैट और मलाड पश्चिम में अभंगा समता इमारत और जेवीपीडी योजना में गोवा भवन में तीन-तीन फ्लैटों को अनंतिम रूप से कुर्क किया था। याचिका के लंबित रहने के दौरान, इस साल अक्टूबर में, धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत न्यायाधिकरण ने कुर्की की पुष्टि की थी। अदालत ने कंपनी की ओर से दी गई दलीलों को स्वीकार कर लिया कि एक बार जब आईबीसी की धारा 31 के तहत राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण द्वारा समाधान योजना को मंजूरी दे दी जाती है, तो कॉर्पोरेट देनदार (वी होटल्स) पर किसी भी अपराध के लिए मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है और सीआईआरपी के शुरू होने से पहले किए गए अपराध के संबंध में उसकी संपत्ति के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती है, जहां ऐसी संपत्ति अनुमोदित समाधान योजना के तहत कवर की जाती है, जिसके परिणामस्वरूप कॉर्पोरेट देनदार का नियंत्रण किसी तीसरे पक्ष के पास चला जाता है।

मुंबई के आरओबी की बदली जा रही डेडलाइन और प्रोजेक्ट की धीमी गति... शहरवासियों की परेशानी

मुंबई : मुंबई के लाखों नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाने वाले तीन प्रमुख रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) झ्र कोनार्क बंदर ब्रिज, गोखले ब्रिज और विक्रोली ब्रिज-का काम सालों से अटका हुआ है। बार-बार बदली जा रही डेडलाइन और प्रोजेक्ट की धीमी गति ने शहरवासियों की परेशानी बढ़ा दी है। अब बीएमसी ने दावा किया है कि यह ब्रिज अगले मानसून से पहले चालू हो जाएंगे, सच्चाई इन दावों से काफी दूर नजर आती है। मुंबईकरों की उम्मीदें टूटीं : मुंबईकर इन आरओबी की देरी से परेशान हैं। रोजाना की ट्रैफिक समस्या और लंबे सफर ने लोगों की जिंदगी दूभर कर दी है। ठेकेदारों पर जुमार्ने और नई डेडलाइन के बावजूद यह सवाल बरकरार है कि आखिर इन प्रोजेक्ट्स को कब पूरा किया जाएगा? बीएमसी के वादे और वास्तविकता के बीच की यह खाई जनता के धैर्य की परीक्षा ले रही है।

कोनार्क बंदर ब्रिज : छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और मस्जिद बंदर को जोड़ने वाले १५४ साल पुराने कोनार्क बंदर ब्रिज को २०१४ में भारी वाहनों के लिए बंद कर दिया गया था। इसके पुनर्निर्माण में हैंकॉक ब्रिज का काम और अतिक्रमण जैसी समस्याएं रोड़ा बनीं। अब तक ८० प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, लेकिन दूसरा गर्डर जनवरी २०२५ तक ही लगाया जा सकेगा। बीएमसी ने दावा किया है कि ब्रिज ३१ मई, २०२५ तक चालू हो जाएगा।

गोखले ब्रिज : अंधेरी के पूर्व-पश्चिम को जोड़ने वाला गोखले ब्रिज ७ नवंबर, २०२२ को असुरक्षित घोषित कर बंद कर दिया गया। मई २०२३ में इसका काम पूरा होना था, लेकिन अब इसे अप्रैल २०२५ तक टाल दिया गया है। उत्तर दिशा का हिस्सा फरवरी २०२४ में हल्के वाहनों के लिए खोला गया, लेकिन मुख्य काम अभी अधूरा है। बीएमसी ने ठेकेदार पर ३ करोड़ रुपए का जुमार्ना लगाया है।

विक्रोली ब्रिज : लाल बहादुर शास्त्री मार्ग को ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे से जोड़ने वाले विक्रोली ब्रिज का काम अप्रैल २०१८ में शुरू हुआ। साइट पर अतिक्रमण, भूमि अधिग्रहण और अन्य समस्याओं के कारण यह प्रोजेक्ट बार-बार लटकता रहा। महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने बीएमसी की खराब योजना और साइट पर सही अनुमान न लगाने की कड़ी आलोचना की। हालांकि, ९० प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और ब्रिज को मार्च २०२५ तक चालू करने का दावा किया जा रहा है।

दवा के नाम पर जहर बेचनेवाली चार कंपनियों के खिलाफ मामला दर्ज!

मुंबई : बीमार गरीब आदमी इलाज के लिए सरकारी अस्पताल जाता है। मगर जब वहां इलाज के नाम पर मरीज को जहर का डोज मिलने लगे तो उसकी जिंदगी खतरे में पड़ जाएगी। इन दिनों राज्य के कई सरकारी अस्पतालों में मरीजों को नकली दवाएं दी जा रही हैं। हाल ही में मुंबई की लैब में कुछ सरकारी अस्पतालों की दवाओं का टेस्ट हुआ, तो इस बात का खुलासा हुआ। पता चला है कि सरकारी अस्पतालों में ठाणे, भिवंडी और सूरत की दवा कंपनियां दवाओं की सप्लाई कर रही हैं। ऐसे में इन कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की जा रही है।

सरकारी अस्पतालों में नकली दवाइयों का घिनौना खेल धड़ल्ले से चल रहा है। नकली दवाइयां मरीजों को ठीक करने के बजाए उन्हें मौत के मुंह में धकेल रही हैं। हैरानी की बात तो यह है कि ये जानलेवा दवाइयां कहीं और नहीं बल्कि सरकारी अस्पतालों में दी जा रही हैं। नकली दवाइयों के फजीर्वाड़े का रैकेट ठाणे, भिवंडी, महाराष्ट्र सहित सूरत तक पैष्ठला हुआ है। मौत के सौदागरों की पोल तब खुली, जब मुंबई के लैब में दवाइयों का सैंपल टेस्ट किया गया। दवा के नाम पर जहर देनेवाली चार कंपनियों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

बता दें कि सरकारी अस्पतालों के मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ करनेवाले इस गोरखधंधे का खुलासा तब हुआ, जब कई सरकारी अस्पतालों में मरीज ठीक होने की बजाय और बीमार हो गए। ओक्सीजिम ५०० नाम की दवा मरीजों को दी जा रही थी, यह दवा खासकर फेफड़े, गले, यूरिनरी ट्रेक्ट, हड्डियों और जोड़ों के इंफेक्शन के लिए दी जाती है। जब मारीज ज्यादा बीमार होने लगे तो शिकायत के आधार पर फूड एंड ड्रग्स विभाग ने दवाइयों का सैंपल टेस्ट करने के लिए मुंबई की लैब में भेजा। रिपोर्ट के बाद ये दवाइयां पूरी तरह से नकली मिलीं। संक्रमण की बीमारी के लिए दी जानेवाली ओक्सीजिम ५०० में एंटिबायोटिक के प्रमाण हैं ही नहीं। फूड एंड ड्रग्स विभाग ने जब नकली दवाइयों के काले कारोबार की छानबीन की तो पता चला कि ठाणे, कोल्हापुर, सूरत और भिवंडी की कंपनियों ने ये नकली दवाइयां सप्लाई की हैं। जानलेवा दवाइयों की पोल सबसे पहले महाराष्ट्र के अंबेजोगाई स्थित स्वामी रामानंद तीर्थ सरकारी अस्पताल से खुली।

पालघर में अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया में मदद करने के बहाने युवाओं को ठगने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

विरार : महाराष्ट्र के सतारा जिले से अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया में मदद करने के बहाने पालघर में कुछ युवाओं को ठगने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान 30 वर्षीय धनाजी काकड़े और 27 वर्षीय गणेश काले के तौर पर की गई है। दोनों ने युवाओं को अग्निपथ योजना में उनकी भर्ती सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया था। भर्ती प्रक्रिया 28 नवंबर को विरार के जीवदानी क्रिकेट ग्राउंड में चल रही थी।

विरार पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक सुरेश गायकवाड़ ने कहा, ''काकड़े और काले मैदान में गए और वहां कुछ उम्मीदवारों से संपर्क किया। उन्होंने उन उम्मीदवारों को भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने में मदद करने का आश्वासन दिया। उन्होंने एक उम्मीदवार से एक हजार रुपये भी लिए और उससे अपने जैसे युवाओं को लाने के लिए कहा। जैसे ही कुछ उम्मीदवारों को एहसास हुआ कि उन्हें धोखा दिया जा रहा है, उन्होंने पुलिश में शिकायत दर्ज कराई।'' बाद में पुलिस ने दोनों को मौके से पकड़ा।

दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 62 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के बाद उन्हें अदालत के सामने पेश किया गया। अदालत ने उन्हें पांच दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया।

जनवरी में खुल जाएगा मलबार हिल का नेचर ट्रेल

फायर ब्रिगेड से अनुमति लेकर बनाया गया नेचर ट्रेल

26 करोड़ की लागत में बना नेचर ट्रेल मार्ग...

मुंबई : मलबार हिल में बना नेचर ट्रेल अगले महीने से आम जनता के लिए खुल जायेगा। मनपा ने इस नेचर ट्रेल को बनाने में लगभग 26 करोड़ रुपए खर्च की है। नेचर ट्रे लगभग 482 मीटर लंबा है। नेचर ट्रेल का आनंद लेने वाले नागरिकों को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए हर 300 मीटर पर निकासी मार्ग बनाया गया है। मुंबई में अपनी तरह का पहला वॉकवे होगा जो जंगल से होकर गुजरेगा।

बता दें कि मलबार हिल गार्डन की अपनी खुद की पहचान है। इस गार्डन में पहले ही पर्यटकों को लुभाने के लिए बुढ़िया का जूता सहित अन्य कई सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। मनपा प्रशासन ने अब मलबार हिल गार्डन में 482 मीटर के लंबे जगह पर नेचर ट्रेल बनाया गया है। नेचर ट्रेल में हर 300 मीटर की दूरी पर एक निकासी रास्ता उपलब्ध कराया गया है। पहला निकासी मार्ग कमला नेहरू पार्क पर निकलेगा। कमला नेहरू गार्डन मुंबई के सबसे लोकप्रिय उद्यानों में से एक है जो पहाड़ी की ढलान पर स्थित है। नेचर ट्रेल का निर्माण मुरब्बा की

लकड़ी से विकसित किया गया है। जंगलों के बीच बना ट्रेल पथ विभिन्न बिंदुओं पर 1.5 से 6.9 मीटर की ऊंचाई पर है। अग्नि सुरक्षा नियमों के अनुसार हर 300 मीटर पर इसमें निकास की आवश्यकता होती है। जो की गार्डन से जोड़कर बनाया गया है। नेचर ट्रेल को मलबार हिल में बने बुढ़िया के जूता से जोड़ा गया है जिससे यह पर्यटकों के लिए अधिक लुभावन लग सके। ट्रेल दोनों तरफ से आवाजाही को सुविधाजनक बनाता है। परियोजना पर काम कर रहे एक अधिकारी ने बताया, ''इस मार्ग के निर्माण में न्यूनतम मात्रा में कंक्रीट का उपयोग किया गया।

अग्निशमन विभाग की एक टीम ने 4 दिसंबर को निरीक्षण के लिए साइट का दौरा किया। परियोजना शुरू करने से पहले फायर ब्रिगेड की एनओसी ली गई थी। फायर ब्रिगेड की आवश्यकता के अनुसार हर 300 मीटर पर एक निकासी उपलब्ध कराई गई है। ट्रेल के अंत में एक और निकास पर भी विचार किया जा रहा है, जो एक लूप है जहां से आगंतुक गिरगांव चौपाटी का नजारा देख सकते हैं। लगभग 26 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस मार्ग पर काम करने वाले श्रमिकों ने बताया कि चूंकि यह मार्ग जंगल के बीच से होकर गुजरता है इसलिए अधिकांश काम मैन्युअल रूप से किया गया। बहुत कम हिस्सों में हाइड्रोलिक क्रेन का उपयोग किया गया ताकि नीचे का वन क्षेत्र प्रभावित न हो। मुंबई में अपनी तरह का पहला वॉकवे होगा जो जंगल से होकर गुजरेगा। मनपा कर्मियों ने बताया कि निर्माण अवधि के दौरान उन्हें एक साँप का भी सामना करना पड़ा, हालांकि इससे किसी को कोई नुकसान नहीं पहुँचा।

ठाणे में एमएसीटी ने लड़की को दिया छह लाख का मुआवजा...

ठाणे : मोटर एक्सीडेंट क्लेम्स ट्रिब्युनल (एमएसीटी) ने एक लड़की को 6.35 लाख रुपये मुआवजे के तौर पर दिया। दरअसल, लड़की 2017 में एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई थी। ट्रिब्युनल सदस्य एसएन शाह ने तीन दिसंबर को आदेश जारी किया। याचिकाकताओं की ओर से पेश होते हुए वकील एसएम पवार ने कहा कि पीड़िता श्वेता अनिलकुमार निषाद 15 मई, 2017 की रात मीरा रोड पर अपनी मां के साथ सड़क पार कर रही थी, तभी एक जीप ने उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, वहां से उन्हें तुरंत मुंबई स्थानांतरित कर दिया गया था। उनका अभी भी इलाज जारी है।

भिवंडी गुलजार नगर इलाके में सवा तीन लाख की बिजली चोरी का पदार्फाश... 2 पर केस दर्ज

भिवंडी : गुलजार नगर इलाके में टोरेंट पावर कंपनी की सतर्कता टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 3.13 लाख रुपये की बिजली चोरी का मामला पकड़ा है। आरोप है कि दो स्थानीय निवासियों ने बिजली मीटर में छेड़छाड़ कर पिछले एक साल से अवैध रूप से बिजली का उपयोग कर रहे थे। इस मामले में शांतिनगर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

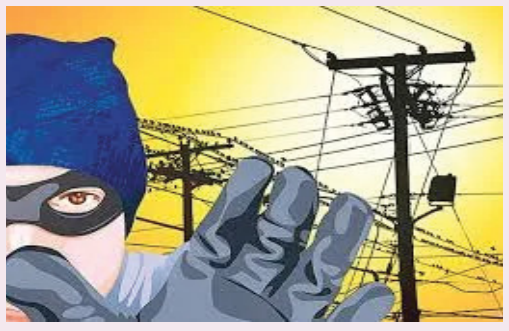

टोरेंट पावर कंपनी की सतर्कता विभाग की टीम, जिसका नेतृत्व एग्जीक्यूटिव ऑफिसर श्रृति अनिल कांबले कर रही थीं, ने गुलजार नगर में छापा मारा। जांच के दौरान पाया गया कि नागांव 2 गुलजार नगर के निवासी मुस्ताक अहमद हबीबुल्लाह अंसारी और मोहम्मद दाऊद खान ने बिजली मीटर में गड़बड़ी कर 13,462 यूनिट बिजली का अवैध उपयोग किया। इस चोरी की कुल राशि 3,13,527.24 रुपये आंकी गई है। कंपनी के अधिकारी की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस स्टेशन में दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय बिजली अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक घोलप कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जाएगी। टोरेंट पावर कंपनी के अधिकारियों ने कहा कि बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के लिए नियमित रूप से जांच अभियान चलाया जा रहा है। यह कार्रवाई भी उसी का हिस्सा है।

सार्वजनिक शौचालय के पास चला चाकू

भिवंडी : क्षेत्र के शांतिनगर पुलिस स्टेशन इलाके शांतिनगर पिरानी पाडा परिसर में सार्वजनिक शौचालय के पास एक विवाद के दौरान 24 वर्षीय युवक पर चाकू से हमला करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी वसीम उर्फ बाबा ने इसी इलाके के रहने वाले नौशाद मोहम्मद इलियास सैय्यद को पहले धमकाया और फिर चाकू निकालकर जानलेवा हमला कर दिया। इस दौरान नौशाद ने कहा कि मेरी क्या गलती है मुझे क्यों मार रहे हो। इसके बावजूद बाबा उसके ऊपर हमला करता रहा। नौशाद ने भागकर अपनी जान बचाई और इसकी सूचना पुलिस को दी।

मुंबई : स्कूलों को निर्देश जारी... छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए काउंसलर की नियुक्ति अनिवार्य

मुंबई : मुंबई राज्य स्कूल शिक्षा विभाग ने महाराष्ट्र के सभी स्कूलों को निर्देश जारी किया है, जिसमें छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए काउंसलर की नियुक्ति अनिवार्य की गई है। यह निर्णय बदलापुर के एक स्कूल में यौन उत्पीड़न की घटना के बाद स्कूल सुरक्षा उपायों में खामियों को दूर करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश साधना जाधव की अध्यक्षता में हाल ही में हुई बैठक के बाद लिया गया है।

राज्य ने स्कूलों को छात्र सुरक्षा के लिए काउंसलर नियुक्त करने का आदेश दिया यह निर्देश प्राथमिक शिक्षा निदेशक द्वारा 3 दिसंबर को जारी किए गए 11-सूत्रीय परिपत्र के हिस्से के रूप में आया है, जिसमें स्कूलों के लिए कड़े सुरक्षा उपायों की रूपरेखा दी गई है। परिपत्र में सुरक्षा समितियों की स्थापना, एक मजबूत सीसीटीवी फुटेज भंडारण नीति को लागू करने और प्रशिक्षित परामर्शदाताओं की नियुक्ति के लिए आदेश शामिल हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि विभाग शिक्षकों को परामर्श प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

परिपत्र में एक महत्वपूर्ण बिंदु परामर्शदाता प्रणाली की बहाली है जिसे 2017 में बंद कर दिया गया था। स्कूल काउंसलर जयवंत कुलकर्णी ने इसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''2017 तक मौजूद व्यावसायिक मार्गदर्शन और परामर्श की प्रणाली ने छात्र सुरक्षा, कैरियर मार्गदर्शन और मानसिक स्वास्थ्य को संबोधित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।''

''इसके बंद होने से यह आवश्यक कार्य बाधित हुआ, जिससे छात्र कल्याण में अंतराल पैदा हुआ।'' कुलकर्णी ने व्यावसायिक मार्गदर्शन और चयन संस्थान को बहाल करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसे राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, पुणे में विलय कर दिया गया था।

मुंबई की एक महिला को इंस्टाग्राम पर रील पर क्लिक करना महंगा पड़ा; 6.37 लाख रुपये गवांए

मुंबई: सोशल मीडिया का सही से इस्तेमाल किया जाए तो अच्छा है लेकिन यह उतनी ही बुरा है जब इसका गलत इस्तेमाल होता है। मुंबई की एक महिला को इंस्टाग्राम पर रील पर क्लिक करना बहुत महंगा पड़ा है। इतना कि उसे 6.37 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। मुंबई के गोराई इलाके की एक महिला ने इंस्टाग्राम पर एक पार्ट-टाइम नौकरी के विज्ञापन पर क्लिक करने के बाद 6.37 लाख रुपये गवां दिए। विज्ञापन में आसान ऑनलाइन कामों के जरिए तेजी से पैसे कमाने का दावा किया गया था,

लेकिन जैसे ही महिला ने विज्ञापन का क्लिक करके प्रोसेसर पूरा किया, वह ठगों के जाल में फंस गई और अपनी मेहनत की कमाई खो दी।

फ्री प्रेस जर्नल के अनुसार, यह घटना 30 नवंबर को सुबह करीब 11 बजे शुरू हुई। महिला ने इंस्टाग्राम पर एक रील देखी, जिसमें यह दावा किया गया था कि ऑनलाइन वीडियो लाइक करके पैसे कमाए जा सकते हैं। उत्सुकता में महिला ने दिए गए लिंक पर क्लिक किया, जो उसे एक टेलीग्राम ग्रुप पर ले गया।

ग्रुप में, ठगों ने खुद को जॉब कोऑर्डिनेटर बताकर प्रक्रिया समझाई। शुरू में महिला को वीडियो लाइक करने जैसे छोटे-छोटे काम दिए गए, जिसके लिए उसे तुरंत पैसे मिले। शुरूआती भुगतान मिलने के कारण महिला को उन पर भरोसा हो गया और उसने ठगों द्वारा बताए गए काम करना जारी रखा। रंभिक भुगतान के बाद ठगों ने महिला को बड़े भुगतान वाले कार्यों में निवेश करने का लालच दिया। अधिक मुनाफे का वादा कर महिला ने तीन लेन-देन में कुल 6.37 लाख रुपये ठगों के खाते में ट्रांसफर कर दिए। हालांकि, जल्द ही स्थिति बिगड़ गई। वादे के अनुसार कोई लाभ नहीं मिला, बल्कि ठगों ने ''कमाई'' जारी करने के लिए ''टैक्स'' के नाम पर और पैसे की मांग शुरू कर दी।

आप ना करें ऐसी गलती...

किसी भी सोशल मीडिया पोस्ट पर आंख बंद करके यकीन ना करें।
किसी लिंक पर क्लिक करके किसी अनजान एप को डाउनलोड ना करें।
किसी के कहने पर निवेश ना करें, भले ही आपको शुरूआत में फायदा दिखे।
किसी भी घटना के होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें।

महाविकास अघाड़ी ज्यादा दिन नहीं चलेगी: अबू आजमी

मुंबई: सामना में बाबरी मस्जिद विध्वंस का समर्थन किए जाने पर महाराष्ट्र सपा अध्यक्ष अबू आजमी ने कहा, शिवसेना उद्धव के नेता कह रहे थे कि वे अब धर्मनिरपेक्ष हो गए हैं। क्योंकि वे कांग्रेस, एनसीपी-शरद और सपा के साथ गठबंधन में थे। हारने के बाद उन्होंने वही करना शुरू कर दिया जो वे पहले करते थे। मुझे लगता है कि अगर ऐसी चीजें होती रहीं तो महा विकास अघाड़ी ज्यादा आगे नहीं चल पाएगी।

ठाणे में ट्रक में मिली 44 लाख की विदेशी शराब... युवक पकड़ा

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे में एक ट्रक से 44.29 लाख रुपये की भारत में निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) बरामद की गई। इसके साथ ही एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। आबकारी उड़न दस्ते के निरीक्षक महेश धनशेट्टी ने कहा कि भारत निर्मित विदेशी शराब को एक ट्रक में ले जाया जा रहा था। इसमें पेंट ले जाने का दावा किया गया था। ट्रक को शुक्रवार रात आठ बजे शिल फाटा इलाके से पकड़ा गया। स्टॉक हिमाचल प्रदेश में बिक्री के लिए था और गोवा में तैयार किया गया था। गिरफ्तार व्यक्ति पुनमा राम ढोकला राम गोदारा ट्रक का चालक है। शराब के तस्करी रैकेट की जांच की जा रही है।

भायंदर-पूर्व के तालाव रोड का इलाका फेरीवालों के अतिक्रमण से प्रभावित...

मीरा भायंदर : भायंदर-पूर्व के तालाव रोड का इलाका फेरीवालों के अतिक्रमण से बुरी तरह प्रभावित हो चुका है। बीपी रोड और नवघर रोड को जोड़ने वाली ये सड़क शाम में फेरीवालों से भर जाती है, जिससे यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस सड़क पर स्थित मनपा के प्रभाग क्रमांक ३ का कार्यालय होने के बावजूद अतिक्रमण की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। फेरीवालों ने न सिर्फ सड़क के दोनों ओर कब्जा कर रखा है, बल्कि कार्यालय के बाहर तक अपनी दुकानें लगाकर व्यवसाय कर रहे हैं। ऐसे में नागरिकों को पैदल चलने और वाहनों के आवागमन में भारी दिक्कतें हो रही हैं।

तालाव रोड पर बढ़ती भीड़भाड़ के कारण चोरी और छीना-झपटी की

घटनाएं भी आम हो गई हैं। नागरिकों का कहना है कि यह क्षेत्र फेरीवाला जोन में शामिल नहीं है, फिर भी फेरीवालों से अवैध शुल्क वसूलने का खेल चल रहा है। यह सीधे तौर पर मनपा के अधिकारियों की लापरवाही और मिलीभगत को उजागर करता है।

मनपा का अतिक्रमण दस्ता नदारद

मनपा का अतिक्रमण दस्ता इस गंभीर स्थिति पर कार्रवाई करने के प्रति पूरी तरह उदासीन है। नागरिकों का आरोप है कि अधिकारियों की शह पर ही फेरीवालों का मनोबल इतना बढ़ा हुआ है कि वे नियम-कानून को ताक पर रखकर धंधा चला रहे हैं।

नागरिकों की आवाज कौन सुनेगा?

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मनपा की लापरवाही और भ्रष्टाचार ने उनकी समस्याओं को बढ़ा दिया है। इस सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है। पैदल चलने की जगह तक नहीं बची, ऊपर से फेरीवालों के कारण ट्रैफिक जाम और चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं। इस मामले से यह स्पष्ट है कि मनपा के अधिकारियों की उदासीनता और भ्रष्टाचार ने तलाव रोड को अराजकता का केंद्र बना दिया है। यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो नागरिकों की परेशानियां और बढ़ेंगी। मनपा को चाहिए कि वह अतिक्रमण दस्ते को सक्रिय करे, फेरीवालों के अवैध कब्जे को तुरंत हटाए और इस क्षेत्र में

भजन गायक लखविंदर सुरजीत सिंह पर नवी मुंबई में हमला... एक दर्जन लोगों पर मामला दर्ज

नवी मुंबई : पंजाब के भजन गायक लखविंदर सुरजीत सिंह पर नवी मुंबई में हमला किया गया है। 45 वर्षीय गायक पर जानलेवा हमला हुआ है। इस मामले में पुलिस ने लगभग एक दर्जन लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। पंजाब के गुरुदासपुर निवासी लखविंदर सुरजीत सिंह पर शुक्रवार शाम वाशी में पनवेल-सायन रोड पर उस समय हमला हुआ जब वह जुईनगर से मुंबई हवाई अड्डे जा रहे थे। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को बताया कि आरोपियों ने उनका वाहन रोका और उन पर सरिया व धारदार हथियार से हमला कर दिया। आरोपियों

ने लखविंदर सिंह को पिस्तौल और रिवाल्वर से धमकाया और फिर उन्हें और उनके एक सहयोगी को घटना स्थल पर छोड़कर फरार हो गए।

कथित तौर पर आरोपी 2017 में मारे गए एक व्यक्ति के परिजनों को भजन गायक लखविंदर सुरजीत सिंह की ओर से दिए गए समर्थन से नाखुश थे। इसके चलते उनके ऊपर हमला किया गया। हालांकि, गायक इस वक्त अस्पताल में हैं, जहां उनका उपचार चल रहा है।

माटुंगा सेंट्रल रेलवे स्टेशन के बाहर २२ मंजिला पार्किंग टावर के निर्माण के खिलाफ स्थानीय नागरिकों का विरोध

मुंबई : मुंबई के माटुंगा सेंट्रल रेलवे स्टेशन के बाहर २२ मंजिला पार्किंग टावर के निर्माण के खिलाफ स्थानीय नागरिकों का विरोध अब और तेज हो गया है। अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बचाने की कोशिश में स्थानीय निवासियों ने 'सेव हेरीटेज माटुंगा' नाम से एक ऑनलाइन हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है, जिसे केवल दो दिनों में करीब १०० लोगों का समर्थन मिल चुका है।

इस अभियान की शुरूआत स्थानीय कार्यकर्ता चेतन त्रिवेदी ने की है, जिन्होंने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) आयुक्त भूषण गगरानी को लिखित पत्र भेजा है। त्रिवेदी ने मांग की है कि बीएमसी माटुंगा पार्किंग टावर की व्यवहार्यता रिपोर्ट सार्वजनिक करें और नागरिकों की शंकाओं का समाधान करने के लिए एक सार्वजनिक सत्र आयोजित करें। त्रिवेदी ने कहा है कि हमने बीएमसी को सात दिनों की चेतावनी दी थी कि वे इस परियोजना की व्यवहार्यता रिपोर्ट को सार्वजनिक करें और नागरिकों की शंकाओं का समाधान करें।

सुरक्षा और पारदर्शिता पर सवाल

माटुंगा सेंट्रल रेलवे स्टेशन के बाहर स्थित ओपन पार्किंग स्पेस पर यह २२ मंजिला मैकेनाइज्ड पार्किंग टावर बनाया जाना प्रस्तावित है। माटुंगा के निवासियों का आरोप है कि यह परियोजना पास के एक वाणिज्यिक परिसर के निर्माण में मदद के लिए लाई जा रही है और यह क्षेत्र की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है।

बेस्ट की निष्क्रियता पर सवाल

गुरुवार को बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति और परिवहन (बेस्ट) के अधिकारियों ने माटुंगा पार्किंग टावर साइट का निरीक्षण किया। चेतन त्रिवेदी ने कहा, 'बेस्ट अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान पाया कि टिकट काउंटर के पास स्थित सबस्टेशन की दीवार जर्जर हालत में है।' बेस्ट के एक सलाहकार ने बताया, 'सबस्टेशन को पार्किंग टावर योजना के तहत फिर से डिजाइन किया जाना था। चूंकि परियोजना अभी तक अंतिम रूप में नहीं आई है इसलिए इसे 'तत्काल मरम्मत' के तहत ठीक किया जाएगा।'

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com